महेंद्र सिंह धोनी ने अपने संन्यास की खबरों पर तोड़ी चुप्पी...

नई दिल्ली एजेंसी।

धोनी के संन्यास की अफवाह ने उस वक्त जोर पकड़ा जब सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स के बीच चेपॉक में खेले गए मुकाबले को देखने के लिए धोनी के माता-पिता भी स्टेडियम पहुंचे। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने ताजा पॉडकास्ट में आईपीएल से अपने संन्यास की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है।

धोनी के संन्यास की अफवाह ने उस वक्त जोर पकड़ा जब सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स के बीच चेपॉक में खेले गए मुकाबले को देखने के लिए धोनी के माता-पिता भी स्टेडियम पहुंचे। हालांकि, धोनी के संन्यास की खबर अफवाह निकली क्योंकि उन्होंने मैच के बाद ऐसी कोई घोषणा नहीं की। धोनी ने अब इन खबरों को लेकर चुप्पी तोड़ी है और राज शमानी के पॉडकास्ट में प्रशंसकों को भरोसा दिलाया है कि वह इस सीजन के अंत में अपने करियर को अलविदा नहीं कह रहे। धोनी बताया कि वह अपने शरीर को आठ महीने का समय देंगे यह देखने के लिए कि क्या 44 साल की उम्र में भी वह खेल सकते हैं। उनके पास अभी समय है यह जानने के लिए कि क्या वह इस लीग में अलविदा कहेंगे।

धोनी बोले- शरीर करेगा फैसला

धोनी के पॉडकास्ट में कहा, नहीं, अभी नहीं, मैं अभी भी आईपीएल में खेल रहा हूं। मैं चीजों को आसान रखता हूं और एक साल का समय देता हूं। अभी मैं 43 साल हूं और आईपीएल 2025 के खत्म होने तक 44 साल का हो जाऊंगा। इसके बाद मेरे पास 10 महीने का समय होगा ये जानने के लिए कि मैं आगे खेल सकता हूं या नहीं। लेकिन इसका फैसला मैं नहीं करता, बल्कि मेरा शरीर करता है।

कोच फ्लेमिंग ने भी किया था खारिज

इस पर फ्लेमिंग ने कहा था कि उनकी धोनी से संन्यास के बारे कोई चर्चा नहीं हुई है। फ्लेमिंग ने धोनी के संन्यास को लेकर कहा, नहीं, उनके सफर को खत्म करना मेरा काम नहीं है। मुझे कुछ पता नहीं है। मैं बस उनके साथ काम करने का लुत्फ उठा रहा हूं। वह अभी भी मजबूती से आगे बढ़ रहा है। मैं इन दिनों पूछता भी नहीं। आप लोग ही इस बारे में पूछते हैं। महेंद्र सिंह धोनी ने अपने संन्यास की खबरों पर तोड़ी चुप्पी।

धोनी के संन्यास की अफवाह ने उस वक्त जोर पकड़ा जब सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स के बीच चेपॉक में खेले गए मुकाबले को देखने के लिए धोनी के माता-पिता भी स्टेडियम पहुंचे। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने ताजा पॉडकास्ट में आईपीएल से अपने संन्यास की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। धोनी के संन्यास की अफवाह ने उस वक्त जोर पकड़ा जब सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स के बीच चेपॉक में खेले गए मुकाबले को देखने के लिए धोनी के माता-पिता भी स्टेडियम पहुंचे।

पीएसजी ने बिना किसी हार के 13वीं बार फ्रांसीसी लीग का खिताब जीता

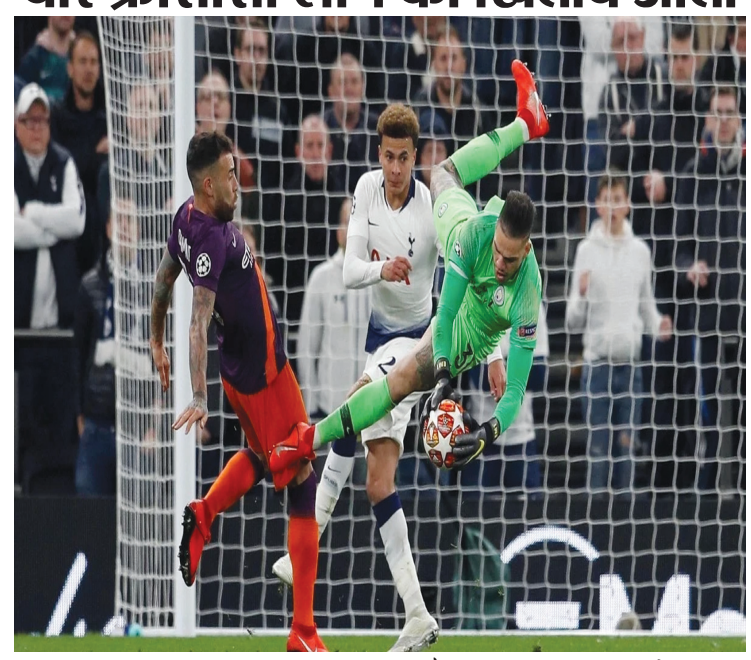

पेरिस एजेंसी।

पीएसजी की यह 28 मैच में 23वीं जीत है और उसने दूसरे स्थान पर काबिज मोनाको पर 24 अंक की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। पीएसजी के 74 और मोनाको के 50 अंक हैं पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए शनिवार को यहां एंजर्स को 1-0 से हराकर छह मैच शेष रहते हुए ही फ्रांसीसी फुटबॉल लीग (लीग 1) का खिताब अपने नाम पर सुरक्षित किया। पीएसजी का यह लीग 1 में 13वां खिताब है और इस तरह से उसने अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। उसकी यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने चैंपियन बनने की राह तक एक भी मैच नहीं गंवाया। ट्रॉफी अपने नाम पर सुरक्षित करने के लिए उसको एंजर्स के खिलाफ केवल ड्रॉ की जरूरत थी लेकिन युवा स्ट्राइकर डेसिरे डौए के गोल की मदद से उसने जीत के साथ जश्न मनाया। मैच समाप्त होने के बाद पीएसजी के खिलाड़ियों ने कोच लुई एनरिक को कंधों पर उठा दिया। पीएसजी की यह 28 मैच में 23वीं जीत है और उसने दूसरे स्थान पर काबिज मोनाको पर 24 अंक की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। पीएसजी के 74 और मोनाको के 50 अंक हैं। मोनाको को एक अन्य मैच में ब्रेस्ट ने 2-1 से हराया। पीएसजी ने अपने अभियान में अभी तक 80 गोल किए हैं जबकि उसने केवल 26 गोल खाए हैं।

मुक्केबाजी विश्व कप में भारत का अभियान समाप्त, भारतीयमुक्केबाजों ने जीते छह पदक

नई दिल्ली एजेंसी।

हितेश ने इस टूर्नामेंट में स्वर्ण अपने नाम किया और वह विश्व मुक्केबाजी कप में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बन गए। दरअसल, उनके प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के ओडेल कामारा चोटिल हो गए थे और शनिवार को 70 किग्रा वर्ग के फाइनल के लिए रिंग में नहीं उतर सके। भारत का ब्राजील के फोड डू इगुआकू में आयोजित विश्व कप अभियान छह पदकों के साथ समाप्त हुआ। भारतीय मुक्केबाजों ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें हितेश द्वारा जीता गया स्वर्ण पदक भी शामिल है। भारत विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित किसी शीर्ष स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पहली बार हिस्सा ले रहा था। हितेश ने इस टूर्नामेंट में स्वर्ण अपने नाम किया और वह विश्व मुक्केबाजी कप में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बन गए। दरअसल, उनके प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के ओडेल कामारा चोटिल हो गए थे और शनिवार को 70 किग्रा वर्ग के फाइनल के लिए रिंग में नहीं उतर सके।

डबल हेडर के बाद अंक तालिका में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली एजेंसी।

ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की जंग भी अब दिलचस्प हो चुकी है। ऑरेंज कैप की रेस में जहां लखनऊ सुपर जाएंट्स के निकोलस पूरन सबसे आगे हैं। वहीं, पर्पल कैप की रेस में चेन्नई सुपर किंग्स के चाइनामैन स्पिनर नूर अहमद सबसे आगे चल रहे हैं। आईपीएल 2025 में शनिवार को दो मुकाबले खेले गए। हालांकि, दोनों मुकाबले लगभग एकतरफा हुए। पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को हराया, जबकि दूसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को शिकस्त दी। इन दो मैचों के बाद अंक तालिका में काफी बदलाव हुआ है। पंजाब की टीम को जहां तीन स्थान का नुकसान हुआ, वहीं पूर्व चैंपियन रह चुकीं चार टीमें अंक तालिका में सबसे नीचे हैं। दिल्ली के खिलाफ चेन्नई को 25 रन से हार का सामना करना पड़ा। यह दिल्ली की लगातार तीसरी जीत रही। टीम छह अंक और +1.257 का नेट रन रेट लेकर शीर्ष पर है। वहीं, चेन्नई की यह तीसरी हार रही। पांच बार की चैंपियन यह टीम एक जीत और दो अंक लेकर अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। उसका नेट रन रेट -0.891 है। वहीं, राजस्थान को भी जीत का फायदा हुआ और टीम सातवें स्थान पर कायम है। उसने अभी तक चार में से दो मैच जीते हैं, जबकि दो में उसे हार मिली है। राजस्थान का नेट रन रेट -0.185 है। पंजाब की टीम को तीन स्थान का नुकसान हुआ। दिल्ली-चेन्नई मैच के बाद पंजाब किंग्स पहले से दूसरे स्थान पर लुढ़की, फिर राजस्थान से खुद के मैच के बाद चौथे स्थान पर लुढ़क गई। पंजाब ने तीन में से दो मैच जीते हैं और चार अंक लेकर चौथे स्थान पर है। उसका नेट रन रेट +0.074 है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु तीन में से दो जीत और चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। उसका नेट रन रेट +1.149 है। वहीं, गुजरात टाइटंस तीन में से दो जीत और एक हार के साथ तीसरे स्थान पर है। उसका नेट रन रेट +0.807 है। फिर पंजाब का नंबर आता है। उसके बाद पांचवें स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स है। केकेआर ने चार में से दो मैच जीते हैं और दो में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है।

आईपीएल 2025 की मौजूदा अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	नेट रन रेट
दिल्ली कैपिटल्स	3	3	0	6	1.257
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	3	2	1	4	1.149
गुजरात टाइटंस	3	2	1	4	0.807
पंजाब किंग्स	3	2	1	4	0.074
कोलकाता नाइट राइडर्स	4	2	2	4	0.070
लखनऊ सुपर जाएंट्स	4	2	2	4	0.048
राजस्थान रॉयल्स	4	2	2	4	-0.185
मुंबई इंडियंस	4	1	3	2	0.108
चेन्नई सुपर किंग्स	4	1	3	2	-0.891
सनराइजर्स हैदराबाद	4	1	3	2	-1.612

आईपीएल 2025 में पांच अप्रैल तक हुए मैचों के बाद लखनऊ सुपर जाएंट्स के बल्लेबाज निकोलस पूरन ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। पूरन ने चार मैचों में 218.48 के स्ट्राइक रेट से 201 रन बनाए हैं। दूसरे स्थान पर गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन हैं। उन्होंने तीन पारियों में 62 की औसत और 157.63 के स्ट्राइक रेट से 186 रन बनाए हैं। तीसरे स्थान पर लखनऊ सुपर जाएंट्स के मिचेल मार्श हैं। उन्होंने चार पारियों में 46 की औसत और 185.86 के स्ट्राइक रेट से 184 रन बनाए हैं। चौथे स्थान पर मुंबई के सूर्यकुमार यादव हैं। सूर्यकुमार ने चार पारियों में 57 की औसत और 161.32 के स्ट्राइक रेट से 171 रन बनाए हैं।

जोमैटो फूड डिलीवरी के सीओओ ने दिया इस्तीफा

नए अवसर और जुनून को आगे बढ़ाने के लिए उठाया कदम

नई दिल्ली एजेंसी।

जोमैटो के संस्थापक और सीईओ दीपिंदर गोयल को भेजे त्यागपत्र में सीओओ रिंशुल चंद्रा ने लिखा कि मैं सात अप्रैल 2025 से प्रभावी इटरनल लिमिटेड के सीओओ फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी बिजनेस के पद से इस्तीफा दे रहा हूं। जोमैटो फूड डिलीवरी व्यवसाय के सीओओ रिंशुल चंद्रा ने इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने बताया कि उन्होंने नए अवसर और जुनून को आगे बढ़ाने का फैसला लेते हुए पांच अप्रैल को इस्तीफा दिया है।

जोमैटो के संस्थापक और सीईओ दीपिंदर गोयल को भेजे त्यागपत्र में चंद्रा ने लिखा कि मैं सात अप्रैल 2025 से प्रभावी इटरनल लिमिटेड के सीओओ फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी बिजनेस के पद से इस्तीफा दे रहा हूं। मैंने नए अवसरों और जुनून को आगे बढ़ाने का फैसला किया है जो मेरे विकसित व्यक्तिगत और पेशेवर लक्ष्यों के साथ जुड़े हैं। पिछले दिनों फूड डिलीवरी एप जोमैटो ने पिछले साल शुरू किए गए जोमैटो एसोसिएट एक्सेलरेटर प्रोग्राम के तहत करीब 600 कस्टमर सपोर्ट कर्मचारियों को निकाल दिया था। इन्हें एक साल के भीतर ही भर्ती किया गया था। कंपनी अपने कस्टमर सपोर्ट डिविजन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल बढ़ा रही है। छंटनी का असर गुरुग्राम और हैदराबाद के कर्मचारियों पर पड़ा है।

मूल कंपनी का बदला गया था नाम

पिछले महीने जोमैटो ने अपनी मूल कंपनी का नाम बदलकर इटरनल लिमिटेड कर दिया था। इटरनल में चार वर्टिकल होंगे। इनका नाम है- फूड डिलीवरी बिजनेस जोमैटो, क्विक कॉमर्स यूनिट ब्लिंकिट , गोइंग-आउट वर्टिकल डिस्ट्रिक्ट और बिजनेस-टू-बिजनेस (क्व2क्व) किराना सप्लाई कंपनी हाइपरप्योर। इटरनल नाम अपनाने के साथ कंपनी दूसरी बार खुद को रीब्रांड कर रही है। 2008 में जोमैटो की स्थापना फूडीबे के रूप में हुई थी और 2010 में इसका नाम बदलकर जोमैटो कर दिया गया था। 2022 में ब्लिंकिट (पहले ग्रोफर्स) के अधिग्रहण के बाद ही आंतरिक रूप से मूल कंपनी का नाम बदलकर इटरनल कर दिया गया था। इसके साथ ही एक संगठनात्मक पुनर्गठन किया गया। इसके तहत एक बड़ी कंपनी की छतरी के नीचे कई व्यवसाय आ गए, इनमें से हर कंपनी का अपना अलग सीईओ था।

अमूल को चालू वित्त वर्ष में राजस्व 10 प्रतिशत बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद

नई दिल्ली एजेंसी।

जीसीएमएमएफ दुनिया की सबसे बड़ी किसान-स्वामित्व वाली डेयरी सहकारी संस्था है, जिसके गुजरात के 18,600 गांवों में 36 लाख किसान सदस्य हैं और इसके 18 सदस्य संगठन प्रतिदिन 350 लाख लीटर दूध खरीदते हैं। देश के प्रमुख डेयरी ब्रांड अमूल का राजस्व दूध और उसके उत्पादों की बढ़ती उपभोक्ता मांग के कारण इस वित्त वर्ष में 10 प्रतिशत से अधिक बढ़कर लगभग एक लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। गुजरात सहकारी दूध विपणन संघ लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) अमूल ब्रांड के तहत डेयरी उत्पादों की बिक्री करता है। इसके 18 जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ स्थानीय जिला बाजारों में खुद ही बिक्री करते हैं। जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने पीटीआई-के साथ बातचीत में कहा कि अमूल ब्रांड का कुल राजस्व वित्त वर्ष 2024-25 के लगभग 90,000 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्त वर्ष 2025-26 में एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाने की संभावना है। मेहता ने मांग में वृद्धि की उम्मीद जताते हुए कहा, जीसीएमएमएफ में हम चालू वित्त वर्ष में 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 75,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का लक्ष्य बना रहे हैं। उन्होंने जीसीएमएमएफ के 18 सदस्य संगठनों द्वारा अमूल उत्पादों के प्रत्यक्ष विपणन से भी इस वित्त वर्ष में लगभग 25,000 करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना जताई। इस तरह अमूल ब्रांड का कुल राजस्व चालू वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। मेहता ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में जीसीएमएमएफ ने अपने राजस्व में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो मुख्य रूप से सभी श्रेणियों में मात्रा में वृद्धि के कारण 65,911 करोड़ रुपये हो गया।

मुद्रा योजना करोड़ों सूक्ष्म उद्यमियों की उम्मीदों को लगा रही पंख,सशक्त बना रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली एजेंसी।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने एक दशक में करोड़ों सूक्ष्म उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर स्वरोजगार और उद्यमिता को प्रोत्साहित किया है। इस योजना ने महिला उद्यमियों, कमजोर वर्गों और नए उद्यमियों को लोन प्रदान कर रोजगार सृजन और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा दिया है। हाल में आई फ्रैंकलिन टेंपलटन रिपोर्ट के वा अनुसार, भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के तौर पर उभर रहा है। इसलिए विकसित भारत-2047 की यात्रा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भूमिका अत्यावश्यक है। एमएसएमई में करीब 12 करोड़ नौकरियां हैं, जो रोजगार बाजार में अहम योगदान देते हैं और देश में उद्यमिता संस्कृति को प्रोत्साहन देते हैं। एमएसएमई के विनिर्माण क्षेत्र की रीढ़ होने के बावजूद, क्रेडिट तक पहुंच की कमी, विशेष रूप से औपचारिक चैनलों की ओर से लेंडिंग बड़ी चुनौती रही है। एमएसएमई क्षेत्र को संस्थागत वित्तपोषण की आवश्यकता है, जिससे इन अनौपचारिक उद्यमों को मुख्यधारा में लाया जा सके और अर्थव्यवस्था में आय निर्माण और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिले। 8 अप्रैल, 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और माइक्रो यूनिट्स डवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी लि. (मुद्रा लिमिटेड) का शुभारंभ इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ऐतिहासिक पहल थी। मुद्रा योजना ने एक दशक में करोड़ों सुक्ष्म उद्यमियों को वित्तीय प्रणाली से क्रेडिट प्राप्त करने में सहायता की है।मुद्रा योजना ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, निजी क्षेत्र के बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, लघु वित्त बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों, सूक्ष्म वित्त संस्थानों सहित कई कर्ज देने वाली संस्थाओं के माध्यम से अब तक वंचित गैर-कॉरपोरेट, गैर-कृषि लघु व्यवसायों को सफलतापूर्वक वित्त पोषण प्रदान किया है। इसके अंतर्गत स्वीकृत और वितरित की गई संचयी राशि 33.54 लाख करोड़ रुपये और 32.76 लाख करोड़ रही, जो लगभग 53 करोड़ लोन खातों को कवर करती है। बिना गारंटी लोन की पेशकश करके मुद्रा योजना स्वरोजगार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है। इसने नई नौकरियों को सुगम बनाया है और बेरोजगारी को, खासकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, कम किया है। बीते दशक में मुद्रा ने वित्तपोषकों को पुनर्वित्तपोषित करके छोटे व्यवसायों के विकास को प्रोत्साहन देने के अपने उद्देश्य को पूरा किया है। एसआईडीबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के तौर पर, मुद्रा लि. ने वित्तीय सेवाओं को, खासकर जमीनी स्तर पर काम करने वाले सूक्ष्म उद्यमों के लिए, अधिक सुलभ और समावेशी बनाने की दिशा में लगातार काम किया है। इसने इन छोटे व्यवसायों को बिचौलियों के चंगुल से निकालने में मदद की है और उन्हें अपनी विकास क्षमता को उजागर करने के लिए जरूरी वित्तीय संसाधन प्रदान किए हैं। देश के सभी जिलों में वितरित लोन के साथ, मुद्रा लोन ने क्षेत्रीय और संतुलित विकास सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। छोटे व्यवसायों की बढ़ती जरूरतों को समझते हुए सरकार ने हाल में लोन की नई श्रेणी तरुण प्लस की शुरुआत की, जो लोन की राशि को बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर देती है। इस सुधार ने उन उद्यमियों के प्रयासों को मान्यता दी, जिन्होंने असाधारण क्रेडिट योग्यता और पुनर्भुगतान क्षमता का प्रदर्शन किया है।